

शहबुलबुल स्त्री. (फा.) लाल शरीर और काली गर्दन एवं कंठ वाली बुलबुल जिसके सिर पर सुनहरी चोटी होती है।

शह-मात स्त्री. (फा.) शतरंज के खेल में ऐसी शह जिस पर विपक्षी को मात मिलती है अर्थात् उसके बादशाह को चलने के लिए कोई जगह नहीं रहती जहाँ वह सुरक्षित हो सके।

शहर पुं. (फा.) नगर, पुर, मनुष्यों की बड़ी बस्ती जहाँ अधिकतर मकान पक्के हों।

शहरपनाह स्त्री. (फा.) शहर की रक्षा हेतु बनाई गई ऊँची चारदिवारी, प्राचीर, नगरकोटा, परकोटा।

शहरयार वि. (फा.) समकालीन राजाओं में प्रमुख पुं. राजा, शासक, बादशाह।

शहराती वि. (फा.) शहरी, नगर-सम्बन्धी, नगर निवासी, नागर, नागरिक।

शहरियत स्त्री. (फा.) शहरीपन, नागरता, नागरिकता, शहरी लोगों के व्यवहार का ढंग, नगरीयता, शिष्टता, सभ्यता।

शहरी वि. (फा.) शहर का, नगर का, शहर संबंधी, नागर पुं शहर में रहने वाला, नागरिक, नगर निवासी।

शहरीकरण पुं. (फा.+तत्.) नगर जैसा बनाना, नगरीकरण, शहरी लोगों के समान बनाना, नगरीय बनाना, नगर-सभ्यता में ढालना, शहर के लोगों के व्यवहार, तौर-तरीके अपनाना या अपनाने के प्रयास करना।

शहवत स्त्री. (फा.) कामवासना, कामेच्छा, संभोग की इच्छा।

शहसवार पुं. (फा.) कुशल घुड़सवार, अच्छा सवार, वह जो घोड़े पर सवारी करने में चतुर हो।

शहादत स्त्री. (अर.) 1. गवाही, साक्ष्य, सबूत, प्रमाण 2. धर्मयुद्ध या राष्ट्रहित में प्राणों का बलिदान होना, हुतात्मत्व, शहीद होना।

शहाना वि. (फा.) शाही, राजसी, राजोचित, बहुत बढ़िया, उत्तम, शाही जैसा पुं. (देश.) विवाह का

एक गीत, संगीत में एक प्रकार का राग, दूल्हे को पहनाया जाने वाला जोड़ा।

शहामृग पुं. (फा.+तत्.) शतुरमुर्ग, अरब और अफ्रीका में पाया जाने वाला अपेक्षाकृत बड़े आकार का न उड़ सकने वाला पक्षी।

शहीद पुं. (अर.) धर्म, राष्ट्र, जनहित, कर्तव्य या शुभ कार्य के लिए बलिदान होने वाला, हुतात्मा, ईश्वर का एक नाम वि. हत, कतल किया हुआ, कुर्बान होना।

शहीदी वि. (अर.) 1. शहीद से संबंधित, हुतात्मा से जुड़ा, शहीद होने को तैयार, धर्म, राष्ट्र और जनहित के लिए बलिदान करने जा रहा हो।

शहीदे आजम पुं. (अर.) 1. महान् शहीद, सबसे बड़ा शहीद 2. हजरत इमाम हुसैन की उपाधि।

शहीदे वतन पुं. (अर.) स्वदेश के लिए बलिदान होने वाला, वतन की आजादी और उन्नति के लिए युद्ध में कुर्बान होने वाला।

शंकर पुं. (तत्.) 1. शंकराचार्य मत का अनुयायी 2. वृष, बैल, सांड 3. आर्द्रा नक्षत्र 4. एक छंद वि. शंकर संबंधी, शिव का, शंकराचार्य-संबंधी।

शंकरी स्त्री. (तत्.) शिवसूत्र, शंकर मिश्र का भाष्य।

शंकव वि. (तत्.) शंकु के आकार का।

शंकवज पुं. (तत्.) गणि. दीर्घवृत्तज, अति परवलयज, परवलयज आदि का व्यापक नाम वह पृष्ठ जिसको दो निर्देश-समतलों के समान्तर समतलों से काटने पर परवलय प्राप्त होते हैं और तीसरे के समान्तर समतल से काटने पर रेखायुग्म या दीर्घवृत्त प्राप्त होते हैं।

शंख पुं. (तत्.) शंख की ध्वनि वि. शंख से निर्मित, शंख का, शंख-संबंधी।

शंखायन पुं. (तत्.) गृह्य और श्रौत सूत्र तथा कौशीतकी ब्राह्मण और उपनिषद् के रचयिता एक ऋषि।

शांखिक वि. (तत्.) 1. शंख का, शंख संबंधी, शंख के आकार का 2. शंख को काटकर उसकी चीजें